विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा -षष्ठ दिनांक -23-05-2020

विषय -हिन्दी शिक्षक -पंकज सर

क्रिया

क्रिया क्या होती है :-

क्रिया का एक अर्थ कार्य करना होता है। जिन शब्दों या पदों से यह पता चले की कोई कार्य हो रहा है किया जा रहा है उसे क्रिया कहते हैं। व्याकरण में कोई भी वाक्य क्रिया के बिना पूरा नहीं होता है। इसे भी व्याकरण का एक विकारी शब्द माना जाता है | इसका रूप लिंग , वचन के पुरुष के कारण से बदलते हैं।

क्रिया हमें समय सीमा के बारे में संकेत देती है। क्रिया के रूप की वजह से हमें यह पता चलता है की कार्य वर्तमान में हुआ है , भूतकाल में हो चूका है या भविष्यकाल में होगा। क्रिया का निर्माण धातू से होता है। जब धातू में ना लगा दिया जाता है तब क्रिया बन जाती। क्रिया को संज्ञा और विशेषण से भी बनाया जाता है। क्रिया को सार्थक शब्दों के आठ भेदों में से एक माना जाता है।

परिभाषा -जिस शब्द के द्वारा किसी कार्य के करने या होने का बोध होता है उसे क्रिया कहते है।

जैसे :- खाना , नाचना , खेलना , पढना , मारना , पीना , जाना , सोना , लिखना , जागना , रहना , गाना , दौड़ना आदि।

क्रिया के उदाहरण :-

(i) राम खेल रहा है।
(ii) मीना नाच रही है।
(iii) अली किताब पढ़ रहा है।

क्रिया के भेद :-

1. अकर्मक क्रिया
2. सकर्मक क्रिया